जी डी गोइन्का पब्लिक स्कूल

कक्षा : नौवीं विषय:हिंदी पाठ: ग़ीत- अगीत

(नोट: यह कार्य केवल पठन के लिए है। इसे प्रिंट न करें।)

कवि परिचय

कवि - रामधारी सिंह दिनकर

जन्म - 1908

गीत अगीत पाठ प्रवेश

प्रस्तुत कविता 'गीत-अगीत'में कवि ने प्रकृति की सुंदरता के साथ-साथ जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम, मानवीय राग और प्रेमभाव का भी सजीव चित्रण किया है। कवि को कहीं नदी के बहाव में गीत का जन्म होता हुआ जान पड़ता है, तो कहीं शुक-शुकी नामक पक्षी के कार्यकलापों में भी गीत सुनाई देता है और जब एक लोक गीत को गाता प्रेमी गीत-गान में निमग्न दिखाई देता ही है।

कवि का मानना है कि गुलाब का फूल, शुकी पक्षी और प्रेमिका प्रत्यक्ष रूप से गीत का निर्माण न किया हो या गीत-गान भले ही न कर रहे हों, पर दरअसल वहाँ गीत का निर्माण और गान भी हो रहा है। प्रस्तुत कविता में कवि यह प्रश्न कर रहा है कि मेरे द्वारा गया गया गीत सुन्दर है या प्रकृति के द्वारा न गा सकने वाला अगीत सुन्दर है?